भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 525

सोमवार, 24 जुलाई, 2023/2 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन विकास हेतु झारखंड में उपयोग की गई निधि

525. श्री सुनील कुमार सिंहः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) झारखंड में किन-किन पर्यटन स्थलों को सरकार द्वारा देश में पर्यटन के विकास के लिए चुना गया है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पिछले कुछ वर्षों में झारखंड राज्य में बेट्टा राष्ट्रीय उद्यान, नेतरहाट, चांडिल आदि जैसे स्थानों को विकसित करने के लिए 52 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी;

(ग) यदि हां, तो उक्त राशि में से उपयोग की गई राशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) इसका उपयोग किन-किन योजनाओं के लिए किया गया है और शेष राशि का उपयोग कब तक किए जाने की संभावना है;

(ङ) क्या झारखंड में पर्यटन के विकास के लिए अतिरिक्त राशि संवितरित करने का प्रस्ताव है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (च) : पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के एक भाग के रूप में ईको परिपथ थीम के तहत वर्ष 2018-19 में एक परियोजना को स्वीकृति दी है जिसकी वर्ष 2022-23 में संशोधित राशि 30.11 करोड़ रु. कर दी गई थी । इस परियोजना में डालमा, बेतला राष्ट्रीय उद्यान, मिरचैया, नेतरहाट आदि में विकास कार्य शामिल है । राज्य सरकार/कार्यान्वयन एजेंसी ने इस परियोजना के संबंध में जारी की गई 26.37 करोड़ रु. की राशि में से 26.28 करोड़ रु. की राशि का एक उपयोगिता प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है ।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्थायी एवं जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0)' के रूप में संशोधित किया है और झारखंड में विकास हेतु 'चांडिल' को गंतव्य के रूप में चिह्नित किया है ।

इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' योजना के अंतर्गत वर्ष 2018-19 में 39.13 करोड़ रु. की राशि से झारखंड में 'बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर का विकास' परियोजना को भी स्वीकृति दी ।

*****